हिंदी सांध्य दैनिक

भवानी टाईम्स

प्रधान संपादक : चंद्रकांत खंडेलवाल, 9422831140

RNI Reg.NO.39851/1981

E-mail : bhawanitimes@gmail.com

वर्ष : 46 | अंक : 41 | गोंदिया, मंगलवार दि. 13 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 04 | मूल्य : 1.10 रू | Post Redg.NPMFL/27/2024-2026

वन्यजीवों की दहशत से नागरिकों में भय

गोंदिया : यह जिला जंगलों सेघिरा हुआ है. जहां पर बड़े पैमाने पर वन्यजीव रहते है. अनेक बार यह वन्यजीव मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की चपेट में भी आ जाते है, जिससे उनकी मृत्यु भी हो गई है. इन वन्यजीवों से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों में भय बना रहता है. जिले की सड़क अर्जुनी, गोरेगांव, अर्जुनी मोरगांव, नवेगांवबांध आदि क्षेत्र में वन्यजीव बडे पैमाने पर देखे जाते है. इन क्षेत्रों में अनेक बार वन्यजीवों ने अनेक लोगों पर हमला किया है.

संक्षिप्त

ट्रेन से गिरकर मौत

गोंदिया : चलती ट्रेन से गिरकर 43 वर्षिय एक व्यक्ति की मौत हो गई. यह घटना 9 जुलाई को डव्वा परिसर में रेलवे ट्रैक इलाके में हुई. मृतक की पहचान गोरेगांव तहसील के गणखैरा निवासी रितु विनायक धमगाये के तौर पर हुई है. मामला दर्ज किया गया है.

डंडे से बुजुर्ग घायल

गोंदिया : मामूली बात पर एक 83 साल के बुजुर्ग को लकड़ी के डंडे से पीटा गया. इस हमले में दसाराम पांडू टेंभरे घायल हो गया. यह घटना 9 जुलाई को छोटा रजेगांव इलाके में हुई थी. पुलिस ने इस मामले में दुर्गेश दसाराम टेंभरे के खिलाफ मामला दर्ज किया है. रावनवाड़ी पुलिस आगे की जांच कर रही है.

मोटरसाइकिल चोरी

गोंदिया : बरबसपुरा निवासी झमेंद्र भोजराज नागपुरे (40) की बुलेट मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति ने चुरा ली. जिसकी कीमत 70 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

स्वच्छता अभियान के बुरे हाल

आमगांव : इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के दिनों में स्वच्छता अभियान के बुरे हाल है. कई दिनों से नाली सफाई नहीं हो रही है, साथ ही कूड़े कचरे का साम्राज्य बना हुआ है. वहीं खुले में शौच विधि फिर से शुरू हो गई है. स्वच्छ भारत अभियान के नियमों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है.

कभी भी हो जाती है बिजली गुल

सालेकसा : इन दिनों बारिश का दौर शुरू है. वैसे भी मौसम साफ रहा तो भी विद्युत विभाग के इंतजामों की पोल खुल ही जाती है. अधिकतर ऐसी समस्याएं शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा सामने आ रही है. जरा सी हवा या हल्की बारिश होते ही बिजली गुल हो जाती है.

गंगाझरी पुलिस की बड़ी सफलता

चोरी का खुलासा : ३० लाख रुपये की जेसीबी १२ घंटे में बरामद

ऑपरेटर ही निकला आरोपी, पूछताछ में कबूला जुर्म

संवाददाता / तिरोड़ा

गंगाझरी थाना क्षेत्र में 30 लाख रुपये मूल्य की जेसीबी चोरी के मामले का पुलिस ने महज 12 घंटे में सफलतापूर्वक खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए चोरी गई जेसीबी बरामद कर ली। त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच के दम पर पुलिस ने इस सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरबसपुरा (तहसील तिरोड़ा) निवासी लतीफ उर्फ बंटी मोतीलाल पटले (37 वर्ष) ने अपनी जेसीबी मशीन (क्रमांक श्ए-35 ँए-1140), जिसकी

अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये है, के चोरी होने की शिकायत गंगाझरी थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 8 जुलाई 2026 को सुबह 11:30 बजे से 10 जुलाई 2026 को दोपहर 2:00 बजे के बीच इंदोरा-बरबसपुरा मार्ग स्थित डामर सड़क से अज्ञात व्यक्ति जेसीबी चोरी कर ले गया था।शिकायत के आधार पर गंगाझरी पुलिस ने अपराध क्रमांक 329/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी गजानन गुल्हाने तथा गंगाझरी थाना प्रभारी धीरज राजूरकर के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक धाराव एवं डिटेक्शन टीम ने तकनीकी विश्लेषण, गोपनीय सूचना और स्थानीय स्तर पर गहन जांच करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई।जांच के दौरान प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर जेसीबी ऑपरेटर नीरज भरतलाल बावने (26 वर्ष, निवासी मल्याटोला, पोस्ट तांडा, जिला गोंदिया) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उसके कब्जे से चोरी गई जेसीबी बरामद कर ली गई।इस सफल कार्रवाई में पुलिस हवलदार राकेश भुरे, श्यामकुमार देशपांडे, उमेश कावले, पुलिस आरक्षक श्रीकांत नागपुरे, राजेश राऊत, चित्तरंजनसिंह जनेवार, चालक आरक्षक संदीप बारई तथा नितीन चांदेवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गंगाझरी पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

छात्रवृत्ति परीक्षा में छात्रों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता / अर्जुनी मोर

सरस्वती विद्यालय के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है. 22 फरवरी को आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम 19 मई को घोषित किया गया, जिसमें विद्यालय के कुल 13 विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता हासिल की.

विद्यालय से कक्षा आठवीं के विद्यार्थी तेजस नान्हे, कृणाल वासनिक, वाणी रहिले, याचना नाकाडे तथा संस्कृति नाकाडे छात्रवृत्ति के लिए चयनित हुए.

वहीं कक्षा पांचवीं के आठ विद्यार्थियों में अर्णव कापगाते, हिमांशु कापगाते, विस्मय वंजारी, प्रचिति लंजे, सोनल बोरकर, श्रेया राठोड़, श्राव्या गजबे व डेलिया गजभिये ने भी सफलता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया. विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में विद्यालय के शिक्षकों का विशेष योगदान रहा. सहायक शिक्षक सुरेश कुंभारे, सुजीत जक्कुलवार, प्रशांत झोडे, दीपेश्वरी मेंढे, किरण पर्वते, उषा मेश्राम, चेतना उके, भाग्यश्री सिडाम, होमराज गजबे, सुरेश आरसोडे, नीलेश आदमने, संदीप रहांगडाले तथा दीपक जीभकाटे ने अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन कर नियमित मार्गदर्शन एवं अभ्यास परीक्षाएं आयोजित कीं.

सात कक्षाओं को पढ़ा रहे मात्र दो शिक्षक

संवाददाता / अर्जुनी मोर

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के सरकारी दावे की विफलता का जीता-जागता उदाहरण अर्जुनी मोरगांव तहसील के महागांव केंद्र के अंतर्गत आने वाले बोरी स्थित जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय में देखने को मिल रहा है। इस विद्यालय में शिक्षकों के कई पद लंबे समय से रिक्त हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों का भारी शैक्षणिक नुकसान हो रहा है। बोरी स्थित स्कूल में 1ली से 7वीं तक की कक्षाएं हैं। जिसमें कुल 98 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। हालांकि, यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि सात कक्षाओं के लिए केवल तीन शिक्षक ही कार्यरत हैं। शाला में तीन शिक्षकों में से एक मुख्याध्यापक हैं और उनके पास

एसआईआर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, इसलिए उनका अधिकांश समय प्रशासनिक कार्यों और कागजी कार्रवाई में व्यतीत होता है। परिणामस्वरूप, विद्यालय में वास्तविक शिक्षा के लिए केवल दो शिक्षक ही बचे हैं। दोनों शिक्षकों पर शाला और शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी आ गई है। कर्मचारियों की इतनी कम संख्या के कारण प्रत्येक कक्षा को पर्याप्त समय देना असंभव होता जा रहा है और शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है। जिससे अभिभावकों में भारी असंतोष निर्माण हो रहा है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रत्येक कक्षा में नियमित शिक्षकों का होना अत्यंत आवश्यक है। समाजसेवी गुनाजी ठाकरे ने प्रशासन से इस संवेदनशील मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने और अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग की है।

भारतीय नौसेना में चयनित हुए उज्ज्वल सांडेल

नगरसेवक देवेंद्र तिवारी ने दीं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

संवाददाता / तिरोडा

भारतीय नौसेना में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाने वाले होनहार युवा उज्ज्वल राजू सांडेल का तिलक वार्ड में नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ उनका सम्मान करते हुए देश सेवा के इस गौरवपूर्ण दायित्व के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय नौसेना जैसी प्रतिष्ठित सैन्य सेवा में चयन होना किसी भी युवा के लिए गर्व का विषय है। उज्ज्वल सांडेल ने अपनी

मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे तिरोड़ा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को प्राप्त किया जा सकता है।उपस्थित नागरिकों ने कहा कि उज्ज्वल की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है।

इससे युवाओं में भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होकर राष्ट्र सेवा करने की भावना और अधिक मजबूत होगी। सभी ने उनके सफल सैन्य जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भारतीय नौसेना में अपने कर्तव्य का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा देश और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।इस अवसर पर नगरसेवक देवेंद्र तिवारी, बिंदा तिवारी, महेश बालकोटे, रानी बालकोटे, अजय डडूरे, सदानंद कतरे, सुनील सोनेवाने सहित तिलक वार्ड के अनेक नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उज्ज्वल सांडेल के उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्र सेवा में उनके सफल योगदान की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

भालोटिया कुटुंबीयांची खासदार प्रफुल पटेल यांनी घेतली सांत्वना भेट

गोंदिया : खासदार प्रफुल पटेल यांनी आज गोंदिया (फुलचूर) येथे भालोटिया कुटुंबीयांची सांत्वना भेट घेतली. गोंदिया येथील प्रसिद्ध व्यापारी स्व. तन्मय भालोटिया यांचे काही दिवसांपूर्वी दुःखद निधन झाले होते. त्यानिमित्ताने खासदार प्रफुल पटेल यांनी भालोटिया कुटुंबीयांच्या निवासस्थानी जाऊन त्यांचे सांत्वन केले. तसेच स्व. तन्मय भालोटिया यांच्या तैलचित्राला पुष्पांजली अर्पण करून त्यांना भावपूर्ण श्रद्धांजली

वाहिली. यावेळी त्यांनी दिवंगत आत्म्यास चिरशांती लाभो तसेच भालोटिया कुटुंबीयांना हे दुःख सहन करण्याची शक्ती लाभो, अशी ईश्वरचरणी प्रार्थना केली. यावेळी खासदार राजेंद्र जैन, कालू भलोटिया, डॉ. अभिषेक भालोटिया व कुटुंबीय उपस्थित होते.

किसानों को 12 घंटे कृषि बिजली उपलब्ध कराने की मांग

जिला परिषद सदस्य किरण पारधी ने प्रफुल पटेल को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता / तिरोडा

किसानों को पर्याप्त कृषि विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों को गति देने की मांग को लेकर जिला परिषद सदस्य किरण पारधी ने रविवार को देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद ईंल्ति ईूत से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में महाराष्ट्र के किसानों को कृषि पंपों के लिए प्रतिदिन कम से कम 12 घंटे नियमित एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसमें कहा गया कि पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से किसानों को सिंचाई में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। किसानों की इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान करने की आवश्यकता बताई गई।

इसके अलावा जिला परिषद क्षेत्र के विभिन्न लंबित विकास कार्यों, जिनमें ग्रामीण सड़कें, पेयजल योजनाएं, सिंचाई

सुविधाएं तथा अन्य मूलभूत अधोसंरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने का भी आग्रह किया गया।प्रफुल पटेल ने ज्ञापन में उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित विषयों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि किसानों, आम नागरिकों तथा कार्यकर्ताओं की जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर प्रभावी ढंग से पहल की जाएगी।

इस अवसर पर किरण पारधी ने प्रफुल पटेल की जनहितैषी कार्यशैली एवं विकासोन्मुख सोच की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन एवं प्रयासों से क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा किसानों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल होगी।

खंडविकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग, आंदोलन की चेतावनी

सचिव ने नहीं दी आरटीआई के तहत जानकारी

संवाददाता / तिरोड़ा

तहसील की स्वैरबोडी ग्राम पंचायत के सचिव डब्ल्यू.टी. सातपुते पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई जानकारी निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया गया है. मामले में संबंधित सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है.

कृषि उपज बाजार समिति के पूर्व सभापति वाई.टी. कटरे ने बताया कि उन्होंने 24 मार्च को ग्राम

पंचायत के सार्वजनिक सूचना अधिकारी (ग्रामसेवक) को निर्धारित शुल्क जमा कर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी थी. नियम अनुसार 30 दिनों के भीतर जानकारी उपलब्ध कराना अथवा सूचना न देने का कारण लिखित रुप में बताना आवश्यक था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया. इसके बाद 15 जून को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को शिकायत भेजी गई, जिसकी प्रति पंचायत समिति के खंड विकास अधिकारी को भी प्रेषित की गई. शिकायत के बावजूद जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया गया. जुलाई को खंड विकास अधिकारी से फोन पर चर्चा के बाद कटरे ने पंचायत समिति कार्यालय में उनसे मुलाकात की. इस दौरान खंड विकास अधिकारी ने ग्रामसेवक सातपुते को बुलाकर मामले की जानकारी ली. सचिव ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए चार दिनों के भीतर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. कटरे ने कहा कि यदि तय समय सीमा में सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो खैरबोडी ग्राम पंचायत कार्यालय के समक्ष आंदोलन किया जाएगा.

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित आंदोलन में कांग्रेस नेता सुनील बिसेन, उपसरपंच महेश ठाकरे, लोकलाल टेंभरे, दीक्षा नागदेवे समेत ग्राम पंचायत के सदस्य एवं कांग्रेस पदाधिकारी भी शामिल होंगे.

स्टूडेंट रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाई गई

आमगांव : जिला परिषद हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज आमगांव में साल 1999 में क्लास 5 से 10 और क्लास 11 से 12 में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के बैच का स्टूडेंट रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाया गया। इस सेरेमनी के लिए, पुराने स्टूडेंट्स और स्टूडेंट्स ने 25 साल बाद साथ पढ़ रहे अपने क्लासमेट्स को ढूंढा और रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाई। प्रोग्राम की शुरुआत महापुरुषों की फोटो पर माला पहनाकर और राष्ट्रगान गाकर हुई। इस मौके पर क्लास 5 से 10 और क्लास 11 से 12 के साथ पढ़ने वाले बच्चे मौजूद थे। प्रोग्राम को मनोज पंधारे ने मॉडरेट किया। इस प्रोग्राम में चंकी उके, देवेंद्र फुंडे, जितेंद्र टेंभरे, सचिन श्यामकुवर, सतीश हटवार, विक्रम सिंह बेदी, महेंद्र बंसोड़, राकेश येळे,दीपा बिसेन, सविता पटले, सुरेखा सोनवणे, रत्ना हुखारे, ज्योति मोटखरे, रानू मेश्राम, शंकर नायडू, आशीष बोडने, आशीष आदमे, आशीष टेंभरे, राजू हरिनखेड़े, धनंजय डोंगरे, विजय ठाकरे, विवेक पाठक आदि मौजूद थे। प्रोग्राम का धन्यवाद राहुल सेंगर ने किया।

संपादकीय

परमाणु बम बनाएगा ईरान!

युद्धका तनाव इतना बढ़ चुका है कि ईरान परमाणु बम बनाने की सोचने लगा है। वह परमाणु अप्रसार सन्धि (एनपीटी) से भी बाहर आ सकता है। फिलहाल ऐसी संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इन्हें ही परमाणु बम बनाने का आधार मान रहे हैं। रूस ने भी कई बार बयान दिया है कि हालात ईरान को एटम बम बनाने को बाध्य कर रहे हैं। इस संदर्भ में रक्षा विशेषज्ञ ईरान की तुलना उत्तर कोरिया से कर रहे हैं। उत्तर कोरिया १९८५ में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने रहस्यमयी परमाणु परीक्षण किए और छोटे-छोटे बम भी बना लिए। उसने २००३ में एनपीटी को छोड़ दिया। आज वह सरेआम विनाशक मिसाइलों के परीक्षण कर रहा है। उसके पास कितने परमाणु बम हैं, उसका सत्यापित हिसाब किसी के पास भी नहीं है, लेकिन अमरीका और यूरोपीय देश उससे आशंकित रहते हैं। क्या ईरान युद्ध ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि ईरान 'उत्तर कोरिया' बन सकता है? वैसे ईरान के पास करीब ४४० किग्रा. संवर्धित यूरेनियम बताया जाता है। यह संवर्धन ६० फीसदी से अधिक है, जिससे छोटे एटम बम बनाए जा सकते हैं! जब तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण कर रही थी, उसके आधार पर अब भी आकलन किए जा रहे हैं कि ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। दिवंगत सुप्रीम लीडर खामेनेई भी घोषित रूप से परमाणु बम बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मौजूदा सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की इस बाबत सोच अभी तक अस्पष्ट है। ईरान के सबसे बड़े और प्रमुख परमाणु केंद्र 'नतांज' सहित फोर्डो और इस्फहान परमाणु केंद्रों में यूरेनियम संवर्धन अब भी जारी है, ऐसी खबरें आती रही हैं। ये जमीन के बहुत नीचे और सुरक्षित परमाणु केंद्र हैं, जिन्हें अमरीका और इजरायल अभी तक नष्ट करने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी सेना ने जिस बुशहर परमाणु प्लांट के निकट अभी हवाई हमले, बम विस्फोट किए हैं, वह ईरान का एकमात्र सक्रिय परमाणु बिजलीघर है। इस १००० मेगावाट के संयंत्र को जर्मनी ने बनाना शुरू किया था, लेकिन वह अधूरा छोड़ कर भाग गया। फिर रूस ने इसे अंतिम रूप दिया। यह ईरान का सर्वाधिक संवेदनशील परमाणु प्लांट है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बिजली संयंत्रों और महत्वपूर्ण पुलों पर हमले करने का ऐलान किया है। बीते गुरुवार को अमरीकी हमले में उन रेल पुलों को तबाह किया गया है, जो तेहरान और मशहद को जोड़ते हैं। मशहद में ही खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया गया है। अमरीकी हमलों में पहली बार चाबहार बंदरगाह के ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर और आईआरजीसी के इमाम अली बेस को निशाना बनाया गया है। जाहिर है कि नुकसान भी हुआ है। इस बंदरगाह को विकसित करने में भारत ने भी १४०० करोड़ रुपए का निवेश कर रखा है, लिहाजा हमारा भी नुकसान हुआ है। बहरहाल बीते दिनों एक खबर आई थी कि बुशहर में ही करीब २१०० किग्रा. प्लूटोनियम का भंडार है। बेशक इससे २०० परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। यह खबर फोर्ब्स के अलावा रॉयटर्स और गूगल ने भी जारी की थी। व्याख्या की गई कि ईरान यथाशीघ्र परमाणु शक्ति बनना चाहता है। अस्तित्व बचाने का यही आखिरी विकल्प उसे लगता है। इसे ईरान 'आत्मरक्षा का कवच' करार देता है, लिहाजा उसने परमाणु केंद्रों और ठिकानों पर सैन्य तैनाती करना भी शुरू कर दिया है। 'नतांज' केंद्र के तहत यूरेनियम जमीन के ३०० फुट नीचे दबा है। जो संवर्धित किया जा रहा है, उसे अन्यत्र शिफ्ट किया जा रहा है।

पीएम आवास योजना में हर विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे घर

महर्षि वाल्मीकि कॉलोनी एवं प्रधानमंत्री आवास परियोजना का भूमिपूजन

नागपुर : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि समाज के गरीब व जरूरतमंद तबके के लिए नागपुर के हर निर्वाचन क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना २.० (शहरी) अंतर्गत सस्ते घर बनाए जाएंगे। सफाई कर्मियों के उत्थान के लिए भी राज्य सरकार व मनपा कटिबद्ध है। उसी प्रकार मनपा के बढ़ते दायरे को देखते हुए लाड-पागे समिति की सिफारिश अनुसार जल्द ही ५०० लोगों की नियुक्ति का आदेश मनपा की तरफ से जारी किया जाएगा।

मनपा की ओर से नारी क्षेत्र में विकसित की जा रही महर्षि सुदर्शन वाल्मीकि कॉलोनी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना २.० (शहरी) के अंतर्गत स्वप्नपूर्ति फ्लैट स्कीम परियोजना का भूमिपूजन रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों तथा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर नीता ठाकरे ने की। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, वित्त राज्यमंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, विधायक प्रवीण दटके, सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेरसिंह डागोर, उपमहापौर लीला हाथीबेड, स्थायी समिति की अध्यक्ष शिवानी दाणी-वखरे, सत्तापक्ष नेता बाल्या बोरकर, पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी, मनपा आयुक्त डॉ. विपिन इटनकर, नासुप्र के सभापति संजय मीणा, जिलाधिकारी कुमार आशीर्वाद, अतिरिक्त आयुक्त अंकित मुरुगानंथम एम., मुख्य अभियंता लीना उपाध्ये आदि उपस्थित थे।

९१० मकानों का निर्माण

महर्षि सुदर्शन वाल्मीकि कॉलोनी में सफाई कर्मचारियों के लिए कुल १४ इमारतों में २ बीएचके की ३९२ आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वप्नपूर्ति आवास परियोजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए किफायती दरों पर १ बीएचके और २ बीएचके की कुल ५१८ आवासीय इकाइयां बनाई जाएंगी। इन दोनों परियोजनाओं को तीन वर्षों में पूरा करने की योजना है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महर्षि सुदर्शन वाल्मीकि के नाम पर सफाई कर्मचारियों के लिए यह कॉलोनी बनाई जा रही है, इसलिए इसके निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। महापौर नीता ठाकरे ने कहा कि शहर के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं स्वच्छता दूतों के लिए आवास योजना लागू करने की मांग की। उपमहापौर लीला हाथीबेड ने सफाई कर्मचारियों को उनका अधिकारपूर्ण घर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन सत्तापक्ष नेता बाल्या बोरकर ने किया।

स्वरोजगार अपनाएं

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाउसकीपिंग जैसे क्षेत्रों में अपनी कंपनियां स्थापित की जा सकती हैं क्योंकि इन सेवाओं की काफी मांग है। उन्होंने कहा कि देश में ई-रिक्शा और बाइक टैक्सी जैसी सेवाओं के कारण करोड़ों लोगों को रोजगार मिला है।

चाय के विवाद में ट्रक ड्राइवर का गला रेता

कपिलनगर थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपी हिरासत में

नागपुर : कपिलनगर थाना क्षेत्र में रविवार की शाम हत्या की एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई. चाय के महज २४ रुपए को लेकर हुए मामूली विवाद में एक चाय दुकानदार ने तैश में आकर ट्रक ड्राइवर के गले पर सब्जी काटने वाले चाकू से वार कर दिया. इस हमले में गंभीर रूप से घायल ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी चाय दुकानदार को हिरासत में ले लिया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह खौफनाक वारदात रविवार शाम करीब ४ बजे सहारे पेट्रोल पंप के पास हुई. मृतक की पहचान ट्रक ड्राइवर विनोद यादव (४० से ४५ वर्ष) के रूप में हुई है. विनोद यादव वारदात के समय सहारे पेट्रोल पंप के पास स्थित एक चाय की दुकान पर सुबह चाय पीकर चला गया था, लेकिन उसके पैसे नहीं दिए थे. बाद में जब वह दुबारा शाम ४ बजे चाय पीने के लिए आया तो चाय के १० रुपए को लेकर विनोद और चाय दुकानदार के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई. देखते ही देखते यह मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच तीखी गाली-गलौज होने लगी. इसी बीच तैश में आकर आरोपी दुकानदार ने आव देखा न ताव, अपनी दुकान में रखा सब्जी काटने वाला धारदार चाकू उठा लिया. इससे पहले कि विनोद कुछ समझ पाता, आरोपी ने उसकी गर्दन पर सीधे जोरदार वार कर दिया. इस हमले में विनोद की गर्दन की मुख्य नस कट गई और अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना की सूचना मिलते ही कपिलनगर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया. पुलिस ने हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले संदिग्ध आरोपी अशोक सम्राट नगर, कपिलनगर निवासी कैलाश लालचंद्र गणवीर (४४) को तुरंत हिरासत में ले लिया है. पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी कैलाश का पहले का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. सरेराह हुई इस निर्मम हत्या की वारदात से सहारे पेट्रोल पंप और आसपास के परिसर में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया था. कपिलनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक जांच शुरू कर दी है.

सोमनपल्ली-कोपेला मार्ग कीचड़ में तब्दील

सिरोंचा : तहसील के ग्राम सोमनपल्ली-कोपेला मार्ग की स्थिति बारिश के कारण अत्यंत दयनीय हो गई है और पूरा रास्ता कीचड़ से पट गया है। कई जगहों पर बड़े गड्ढे, जमा पानी और घुटने तक कीचड़ होने के कारण वाहन चालकों को अपनी जान खतरे में डालकर सफर करना पड़ रहा है। इस ओर प्रशासन से गंभीरता से ध्यान देकर इस मार्ग की शीघ्र मरम्मत करने की मांग क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा की गई हैं।

ज्ञात हो कि, सोमनपल्ली-कोपेला मार्ग से रोजाना क्षेत्र के ग्रामीणों, किसान, छात्र, सरकारी कर्मचारी और मरीजों की आवाजाही होती है। लेकिन इन दिनों सड़क पर कीचड़ के कारण दोपहिया फिसल रहे हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। कई जगहों पर लोगों को वाहन धकेलकर ले जाना पड़ रहा है। मानसून में यह स्थिति और गंभीर हो गई है और नागरिकों में गुस्सा बढ़ रहा है। सड़क की मरम्मत समय पर न होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। लगातार मांग करने के बावजूद यह समस्या अबतक हल नहीं हुई है।

वनाधिकारियों ने पेश की मिसाल, झिंगानूर के ग्रामीणों को मिली राहत

चंदा जमाकर श्रमदान से की पुल की मरम्मत

सिरोंचा (गढ़चिरौली): तहसील के बहुत ही संवेदनशील गांव झिंगानूर से सिरकोंडा जाने वाले रास्ते पर स्थित बहुत महत्वपूर्ण नायगुंडा नाले के पुल की स्थिति कई सालों से बहुत ही खराब हालत में थी. इस पुलिया पर बाहर निकले लोहे की सलाखों की वजह से यहां से गुजरना जोखिमभरा हो गया था. लेकिन, सार्वजनिक लोकनिर्माण विभाग या संबंधित प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान तक न देने से झिंगानूर वन क्षेत्र के वन अधिकारी और कर्मचारी खुद आगे आए. सरकारी फंड का इंतजार किए बिना, वन कर्मचारियों ने चंदा इकट्ठा किया और श्रमदान से इस नाले की मरम्मत करके मिसाल पेश की.

झिंगानूर, मंगीगुडम, येडसिली और वददेली, सिरकोंडा सहित क्षेत्र के अन्य गांवों के ग्रामीणों के सिरोंचा तहसील मुख्यालय जाने के लिए यही मुख्य रास्ता है. नाले पर ४० साल पहले पुल बनाया गया था. अब इस पुल के जर्जर हो जाने से मरीजों को अस्पताल ले जाना, स्कूल जाने वाले बच्चों की यात्रा और रोजमर्रा के कामों के लिए सिरोंचा जाना बहुत मुश्किल हो गया था. इसके अलावा, यह हिस्सा घने जंगल का होने के कारण झिंगानूर वन क्षेत्र के वन कर्मियों को जंगल की सुरक्षा करने, तस्करों पर नजर रखने और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इसी रास्ते से नियमित गश्त करनी पड़ती है. किंतु इस नाले की दयनीय हालत की वजह से वन विभाग की गाड़ियों और गश्ती दल को काफी परेशानी हो रही थी. इस कारण वनाधिकारियों ने श्रमदान से पुल की मरम्मत की.

पवनार की लॉज में देह व्यापार का भंडाफोड़; सात पर केस दर्ज

वर्धा : मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) वर्धा ने पवनार की मंगलम लॉज पर छापा मारा. यहां से एक महिला और जाली ग्राहक सहित तीन को गिरफ्त में लिया है. कार्रवाई शुक्रवार, १० जुलाई को की गई. १५ दिनों में यह तीसरी कार्रवाई है. अब तक ७ आरोपियों पर केस दर्ज करके ४ महिलाओं का रेस्क्यू किया गया है.

पुलिस को उक्त लॉज में महिलाओं से देह व्यापार कराए जाने की गुप्त जानकारी मिली थी. इस पर एएचटीयू की टीम ने एक फर्जी ग्राहक भेजकर सूचना की पुष्टि की और लॉज पर छापा मारा. कार्रवाई के दौरान लॉज का मैनेजर मुरली पुस्तोडे (२४, जिला चंद्रपुर) तथा उसका साथी सुमित सोदिया (२६, महादवपुरा) मौके पर मिले. तलाशी के दौरान जाली ग्राहक और एक महिला भी लॉज में मिली. पूछताछ में महिला ने बताया कि आरोपी मुरली ने उसे पैसों का लालच देकर लॉज में बुलाया था. पुलिस ने इससे पहले कारला रोड नखाते लेआउट और भामटीपुरा में पवन लॉज पर भी छापेमारी करके देह व्यापार के अड्डे का पर्दाफाश किया था.

कृषि संरचना फंड योजना का लाभ उठाएं

गढ़चिरोली : जिला अधीक्षक तथा कृषि अधिकारी और 'आत्मा' की परियोजना निदेशक प्रीती हिरलकर ने अपील की है कि कृषि उत्पादों का मूल्यवर्धन, सुरक्षित भंडारण, प्रसंस्करण उद्योग और आधुनिक विपणन व्यवस्था सक्षम करने के लिए केंद्र सरकार की 'कृषि बुनियादी ढांचा निधि' योजना के तहत आकर्षक आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है. जिले के पात्र किसान, किसान उत्पादक कंपनियां (एफपीओ), सहकारी संस्थाएं और कृषि उद्यमियों को इस योजना का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करें.

जिले में 19 जून से 20 जुलाई तक इस योजना की विशेष लागू करने की मुहिम चलाई जा रही है. फसल कटाई के बाद आवश्यक कृषि बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और सामुदायिक खेती के लिए जरूरी आधुनिक सुविधाओं के निर्माण को इस योजना के जरिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. इससे कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ यहां भंडारण क्षमता, प्रोसेसिंग सुविधाएं और बाजार तक पहुंच अधिक प्रभावी होने में मदद मिलेगी.

योजना के तहत मंजूर होने वाले दो करोड़ रुपए तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज छूट दी जाती है. साथ ही इस ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी (पतहमी) सुविधाएं भी उपलब्ध होने के कारण लाभार्थियों पर आर्थिक बोझ कम होने में मदद होती है. जिले में धान, बाजरी, तूअर, हल्दी, साबूत आलू, चना, मकई, सब्जियां और अन्य कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है. इस पृष्ठभूमि में कृषि प्रक्रिया सुविधाओं की स्थापना के लिए यह योजना विशेष रूप से उपयोगी होगी, और यह किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने बढ़ावा देने में मदद करेगी.

निजी ट्रैवल्स चालकों की मनमानी से नागरिकों को परेशानी

बल्लारपुर : शहर के मुख्य मार्गों, बस स्टैंड परिसर और रेलवे चौक पर निजी ट्रैवल्स संचालकों की मनमानी के कारण यातायात सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. किसी भी यात्री के हाथ देने पर ट्रैवल्स मुख्य सड़क पर ही वाहन रोक देते हैं. ऐसे में पीछे से आ रहे वाहनों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है. ऐसी स्थिति में प्रतिदिन दुर्घटना की आशंका बनी रहने से यात्रियों, वाहन चालकों में नाराजगी बढ़ रही है. यात्रियों और वाहन चालकों को हादसों का खतरा रोज महसूस हो रहा है.

शहर के प्रमुख मार्गों पर सारा दिन हजारों वाहन गुजरते हैं. व्यस्त मार्गों पर निजी ट्रैवल्स द्वारा कहीं भी वाहन रोक कर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने से यातायात की रफ्तार प्रभावित होती है. अचानक वाहन रुकने से पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है. फिलहाल अब तक कोई हादसा नहीं हुआ लेकिन किसी भी समय गंभीर दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. नागरिकों का आरोप है कि विशेष रूप से बस स्टैंड के आसपास कई निजी ट्रैवल्स के रुकने से बार-बार जाम की स्थिति बन जाती है. नियमों के अनुसार बस स्टैंड से निर्धारित दूरी पर ही निजी ट्रैवल्स को यात्रियों को चढ़ाने और उतारने की अनुमति है, लेकिन इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है. इससे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं. इसके अलावा, कुछ ट्रैवल एजेंट बस स्टैंड परिसर में प्रवेश कर यात्रियों को निजी ट्रैवल्स से यात्रा करने के लिए लगातार अनुरोध करते हैं. इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और बस स्टैंड की व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है.

परिवहन विभाग तथा संबंधित पुलिस से कार्रवाई की मांग

वाहन चालकों का हादसों का खतरा

रेलवे चौक पर आलापल्ली और मूलचेरा मार्ग के ट्रैवल्स चालक सड़क के बीचों बीच वाहन खड़े कर यात्रियों को बैठाते और उतारते हैं. यह चौक पहले से ही यातायात की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है. ऐसे में इस तरह की लापरवाही से दुर्घटनाओं का खतरा और अधिक बढ़ गया है. नागरिकों ने मांग की है कि क्षेत्रीय परिवहन विभाग तथा पुलिस विभाग इस पूरे मामले का तत्काल संज्ञान लेकर नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रैवल्स चालक, मालिक और एजेंटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें. साथ ही बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर संचालित अवैध स्टॉप तत्काल बंद किए जाएं, ताकि यात्रियों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. साथ ही यातायात व्यवस्था में कुछ सुधार हो सके.

शटर तोड़कर किराना दुकान से 12500 नगद लेकर फरार

बल्लारपुर : शहर के कॉलरी रोड क्षेत्र में चोरों ने आधी रात को एक किराना दुकान का शटर तोड़कर काउंटर में रखी लगभग 12,500 रुपए की नगद राशि निकालकर फरार हो गए.

जानकारी के अनुसार, नरेंद्र तिलोकानी (54) की कॉलरी रोड स्थित छाबड़ा बिछायत केंद्र के समीप 'ममता प्रोविजन' नाम से किराना दुकान है. वे रोज सुबह दुकान खोलते हैं और रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर घर चले जाते हैं. 9 जुलाई की रात करीब साढ़े दस बजे तिलोकानी रोज की तरह दुकान का शटर बंद कर घर चले गए.

10 जुलाई को सुबह करीब 5 बजे उनके एक परिचित ने मोबाइल पर सूचना दी कि दुकान का शटर आधा खुला हुआ है. सूचना मिलते ही तिलोकानी तत्काल दुकान पहुंचे. वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान का शटर बाईं ओर से करीब दो फुट मोड़कर आधा खोला गया है. इसके बाद उन्होंने तुरंत डायल-112 पर फोन कर पुलिस को घटना की जानकारी दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान की जांच की. जांच के दौरान काउंटर का लॉक टूटा हुआ मिला. काउंटर में रखे 50-50 रुपए के दो बंडल, जिनमें प्रत्येक में 5 हजार रुपए थे, तथा 10 और 20 रुपए के नोटों की लगभग 2,500 रुपए की खुली नगदी सहित कुल 12,500 रुपए चोर ले उड़े. पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा किया. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा चोरों की तलाश के लिए विभिन्न पुलिस टीमें जुटी हुई हैं. नरेंद्र तिलोकानी की शिकायत पर बल्लारपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया.

खरपुंडी को पूरी तरह शराब मुक्त बनाने की कोशिश

गढ़चिरोली : तहसील के ग्राम खरपुंडी को अवैध शराब की समस्या से मुक्त करने के लिए मुक्तिपथ के मार्गदर्शन में शराबबंदी समिति की महिला सदस्यों का संघर्ष जारी है. पिछले सात महीनों से गांव से अवैध शराब बिक्री बंद करने में सफलता मिली है. साथ ही, नजदीकी सरकार टोला स्थित विक्रेता के पास जाकर अवैध कारोबार तुरंत बंद करने की चेतावनी महिलाओं ने दी है.

खरपुंडी गांव में 8 विक्रेता अवैध रूप से शराब की बिक्री रहे थे. इससे गांव में शांति, सुव्यवस्था और स्वास्थ्य को खतरा बना था. इस बीच ग्राम पंचायत समिति के माध्यम से शराब बंद करने के लिए प्रस्ताव पारित कर के पुलिस थाने में शराब विक्रेताओं के खिलाफ शिकायत और प्रस्ताव दिया गया था. इसके बाद पुलिस ने विक्रेताओं के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की. पुलिस, शराब बंदी समिति, ग्राम पंचायत प्रशासन और मुक्तिपथ के संयुक्त प्रयासों से अवैध शराब बिक्री कम हुई है. लेकिन कुछ विक्रेता गांव में फिर से शराब बेचने की कोशिश कर रहे हैं. वर्तमान स्थिति में अवैध शराब बिक्री बंद है. महिलाओं के संगठन के प्रयासों से यह सफलता मिली है.

सरकार टोला में बेची जा रही अवैध शराब

हालांकि, सरकार टोला में एक शराब विक्रेता चोरी-छुपे शराब बेच रहा है. इससे गांव के शराबी वहां जाकर शराब पीते हैं. यह बात समझ में आते ही समिति की महिलाओं ने संबंधित विक्रेता के घर धावा बोलकर अवैध व्यवसाय तुरंत बंद करने का निर्देश दिया, अन्यथा पुलिस के अधीन कर देने की चेतावनी दी गई है. इस दौरान अध्यक्ष सोनिया मेश्राम, अल्का गुरनुले, पुलिस पाटिल सुधाकर मेश्राम, विमुस अध्यक्ष वी. नैताम, पूर्व ग्रा. पं. सदस्य वामन टिकले, महादेव नैताम, शराबबंदी समिति की महिलाएं उपस्थित थी.

ई-फसल निरीक्षण के लिए नियुक्ति से भड़के पुलिस पाटिल

बैठक में पुलिस पाटिल ने राजस्व विभाग के कार्यों पर आपत्ति जताई

संवाददाता । भद्रावती

तहसील कार्यालय में उपविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार की प्रमुख उपस्थिति में पुलिस पाटिलों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में पुलिस पाटिलों के अधिकार, कर्तव्यों तथा उन्हें सौंपे जाने वाले विभिन्न कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक के दौरान कुछ पुलिस पाटिलों को ई-फसल निरीक्षण (ई-पीक पाहणी) के लिए सहायक के रूप में नियुक्त किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा. इस अवसर पर पुलिस पाटिल संघ के जिला अध्यक्ष योगेश मते पाटिल ने इस नियुक्ति का विरोध करते हुए कहा कि ई-फसल निरीक्षण पूर्णतः राजस्व विभाग का कार्य है तथा पुलिस पाटिलों पर इस प्रकार की जिम्मेदारी डालना शासन के निर्देशों के अनुरूप नहीं है. उन्होंने कहा कि गांव में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना, शांति कायम रखना, अपराध नियंत्रण में प्रशासन का सहयोग करना तथा शासन द्वारा सौंपे गए पुलिस संबंधी दायित्वों का निर्वहन करना ही पुलिस पाटिलों की मूल जिम्मेदारी है.

जिला अध्यक्ष योगेश मते पाटिल ने 6 फरवरी 1973 के शासन आदेश क्रमांक पीटीएल. 1072/236085-एल का हवाला देते हुए बताया कि उक्त आदेश में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि पुलिस पाटिलों को राजस्व विभाग के कार्य न सौंपे जाएं तथा राजस्व संबंधी सभी कार्य संबंधित तलाठी के माध्यम से ही कराए जाएं. उन्होंने प्रशासन से मांग की कि शेगांव, माजरी एवं भद्रावती क्षेत्र में ई-फसल निरीक्षण के लिए सहायक के रूप में नियुक्त किए गए पुलिस पाटिलों की नियुक्ति तत्काल निरस्त की जाए.

साथ ही वरोरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ई-फसल निरीक्षण कार्य के लिए नियुक्त पुलिस पाटिलों की नियुक्तियां भी तत्काल रद्द की जाएं.

राजस्व विभाग के कामों को छोड़कर राष्ट्रीय दायित्वों में पूर्ण सहयोग का भरोसा

राजस्व विभाग के कार्यों पर आपत्ति जताते हुए पुलिस पाटिलों ने राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया. भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को पुलिस पाटिल संघ की ओर से शत-प्रतिशत सहयोग देने का संकल्प सभी पुलिस पाटिलों ने व्यक्त किया. बैठक के अंत में शासन के निर्देशों का पालन करते हुए गांवों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का सामूहिक संकल्प लिया गया.

जिला मुख्यालय समीप ही जंगली हाथियों का झुंड

फिलहाल चुरचुरा क्षेत्र में विचरण, ड्रोन से कर रहे निगरानी

संवाददाता । गड़चिरोली

जिला मुख्यालय होनेवाले गड़चिरोली शहर के पास के गांवों में ही जंगली हाथियों का झुंड लगातार विचरण कर रहा है, जिससे नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है. शनिवार को जंगली हाथियों का झुंड बोदली मेंढा परिसर के जंगलों में विचरण कर रहा था. वहीं आज रविवार को यह झुंड चुरचुरा गांव के वनक्षेत्र में होने की जानकारी है. जंगली हाथियों के हमलों में अब तक 12 लोगों की जान जा चुकी है. इस घटना के बाद नागरिकों में दहशत

का वातावरण है. वनविभाग हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है. विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ड्रोन की सहायता से झुंड की हर गतिविधि पर निगरानी रख रहे हैं तथा उसके मूवमेंट का लगातार पता लगाया जा रहा है. हाथियों का झुंड मानव बस्तियों की ओर न बढ़े और किसी प्रकार की जनहानि न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है. हाथियों के भय के कारण किसानों के खेती-किसानी के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं. कई किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं, जिससे कृषि कार्यों में बाधा आ रही है. ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत करने की मांग की है. हाथी दिखाई देने पर उसके पास जाने, फोटो या वीडियो बनाने अथवा उसे उकसाने का प्रयास न करें। ऐसी किसी भी सूचना की तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को जानकारी दें और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें.

4 वर्ष पूर्व ओडिसा से आए

करीब 4 वर्ष पूर्व ओडिसा राज्य से आए जंगली हाथियों ने गड़चिरोली जिले में ही अपना डेरा डाल दिया है. बिते 2 माह पूर्व जंगली हाथियों ने गड़चिरोली की सीमा लांघकर चंद्रपुर जिले में प्रवेश किया था. जिसके चलते जिले के नागरिक व किसानों ने राहत की सांस ली थी. लेकिन चंद्रपुर जिले में एक से डेढ़ माह तक विचरण करने के बाद जंगली हाथियों का झुंड फिर से जिले में लौट आया है. जिले में लौटने के बाद जंगली हाथियों ने उत्पात मचाया शुरू कर दिया है. इस बीच कुछ दिन पूर्व चांदाला परिसर में को जंगली हाथियों के हमले में एक व्यक्ती की मौत भी हुई है. जिससे नागरिकों में जंगली हाथियों के विचरण के चलते व्यापक भय का वातावरण है.

नागरिकों के मिले बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

वर्धा : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 22 जुलाई से 31 अगस्त तक वर्धा जिले में 'आरोग्य अमृत महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान वर्धा, आर्वी, हिंगणघाट और देवली में विशाल स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे. पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों का बेहतर नियोजन किया जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभमिल सके. आरोग्य अमृत महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक में विधायक अरुण लखानी, राजेश बकाने, सुमित वानखेडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग सोमण, उपजिलाधिकारी श्रीपती मोरे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सूरज गोहाड़, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. सुमंत वाघ, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्नील बेले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, चिकित्सक संगठन एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर आयोजित 'मोतियाबिंद मुक्त वर्धा अभियान' के तहत 6,515 मरीजों की सफल नेत्र शल्यक्रिया की गई थी. इसी अभियान की तर्ज पर इस वर्ष व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 से 24 जुलाई तक वर्धा के बच्छराज सभागार, 31 जुलाई से 1 अगस्त तक आर्वी, 8 एवं 9 अगस्त को हिंगघाट तथा 13 एवं 14 अगस्त को देवली में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे. शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, विभिन्न जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, गंभीर रोगियों के उपचार की व्यवस्था, आयुष्मान कार्ड पंजीकरण, दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण तथा जरूरतमंदों को चश्मों का वितरण किया जाएगा.

विश्व जनसंख्या दिवस कार्यक्रम में डा. छाया उईके का आह्वान

युवा पीढ़ी छोटे परिवार को अपनाएं

संवाददाता । गड़चिरोली

बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए युवाओं को आगे आना होगा. छोटा और स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज की नींव है. परिवार नियोजन को अपनाना आज की आवश्यकता है और इसके बिना जनसंख्या नियंत्रण संभव नहीं है. ऐसा कथन अतिरीक्त जिला शल्य चिकित्सक डा. छाया उईके ने किया.

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, गड़चिरोली के समन्वय तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रताप शिंदे व जिला शल्य चिकित्सक डा. वर्षा लहाड़े के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विश्व जनसंख्या दिवस का उद्घाटन एवं शुभारंभ समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ. अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डा. छाया उइके ने समारोह का उद्घाटन किया.

इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए वे बोल रही थी. कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डा. माधुरी किलनाके, जिला मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डा. माधव शिंदे, रेडियोलॉजिस्ट डा. नीलकंठ मसराम, बाल रोग विशेषज्ञ डा. प्रशांत पेंदाम तथा सहायक अधीक्षिका कविता पोतरोजवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नर्सिंग प्रशिक्षुओं द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोलियां रहीं. प्रशिक्षुओं ने अपनी कलात्मक प्रस्तुति के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या की गंभीर समस्या तथा उसके सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया. उनकी इस रचनात्मक पहल की उपस्थित जनों एवं अतिथियों ने सराहना की. कार्यक्रम की प्रस्तावना में जिला माता बाल संगोपन अधिकारी डा. माधव शिंदे ने 'जनसंख्या लाभांश' इस संकल्पना पर जानकारी दी. संचालन प्रतिज्ञा रामटेके ने किया. कार्यक्रम में अस्पताल के अधिकारी, कर्मचारी, परिसेविका उपस्थित थे.

कांग्रेस ने किया भजन आंदोलन

संवाददाता । गड़चिरोली

अयोध्या के राम मंदिर में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार 9 जुलाई को गड़चिरोली शहर के फुटका देऊल परिसर में स्थित हनुमान तथा श्रीराम मंदिर में 'रघुपति राघव राजा राम' भजन गाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एड. विश्वजीत कोवासे ने राम मंदिर की दान राशि तथा आभूषणों में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की.

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले के 88 आरोपी भाजपा समर्थक हैं. तथा उन्होंने लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है. कोवासे ने कहा कि अब तक भवन, सड़क तथा पुल निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की बातें सामने आती थीं, लेकिन अब मंदिर की दानपेटी की राशि तथा आभूषणों तक में कथित गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं. इस आंदोलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एड. राम मेश्राम, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज गुड्डेवार, शहर अध्यक्ष तथा पार्षद सतीश विधाते, अनुसूचित जाति सेल के जिलाध्यक्ष रजनीकांत मोटघरे, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नितेश राठोड, नंदू वायलकर, पार्षद पराग पोरेड्डीवार, रमेश चौधरी, मीनल चिमूरकर, जितेंद्र मुनघाटे, प्रभाकर वासेकर, मनोज ढोरे, विजय लाड, विनोद लेनगुरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे.

70 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सराहा वन्यजीव संरक्षण

संवाददाता । चंद्रपुर

ब्रिक्स देशों के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व का दौरा कर जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव लिया. सफारी के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को कई बाघों के दीदार हुए, जिससे वे बेहद उत्साहित नजर आए. प्रतिनिधिमंडल ने ताड़ोबा में

वन्यजीव संरक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन व्यवस्था की मुक्तकंठ से सराहना की. करीब 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के लिए कोलारा, मादनापुर और बेलारा बफर प्रवेश द्वारों से 20 से अधिक सफारी वाहनों की व्यवस्था की गई थी. विदेशी प्रतिनिधियों ने मादनापुर गेट से जंगल सफारी की, जबकि अन्य सदस्यों ने कोलारा और बेलारा मार्ग से वन भ्रमण किया. सुबह की सफारी के दौरान रूस और इथियोपिया के प्रतिनिधियों को प्रसिद्ध नर बाघ टी-178 तथा बाधिन टी-82 का एक उप-वयस्क शावक दिखाई दिया. वहीं शाम की सफारी में दक्षिण अफ्रीका, मिस्त्र और ईरान के प्रतिनिधियों ने टी-178, टी-82 के उप-वयस्क शावक तथा टीएन-9 के उप-वयस्क शावक सहित तीन बाघों का दीदार किया. बाघों के अलावा प्रतिनिधियों ने चीतल, सांभर, भारतीय गौर, जंगली सुअर तथा विभिन्न पक्षी प्रजातियों का भी अवलोकन किया. उन्होंने ताड़ोबा में वन्यजीव संरक्षण, वैज्ञानिक वन प्रबंधन तथा जिम्मेदार इको-टूरिज्म मॉडल की सराहना की.

मिलेगा मालिकाना हक

पुलगांव : देवली-पुलगांव विधानसभा क्षेत्र के पुलगांव शहर स्थित हिंगनघाट फैल इलाके में वर्षों से लंबित मकानों के मालिकाना हक और आवासों को नियमानुसार नियमित करने के मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में विधायक राजेश बकाने ने क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए मामले का शीघ्र समाधान करने की मांग की. बैठक में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, विधायक राजेश बकाने, एड. दिनेश शर्मा, अशोक पणपालिया तथा राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. वहीं जिलाधिकारी वान्मथी सी. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुईं. विधायक राजेश बकाने ने बताया कि, हिंगनघाट फैल क्षेत्र के सैकड़ों परिवार वर्षों से मालिकाना हक के अभाव में विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं. स्वामित्व संबंधी दस्तावेज नहीं होने के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ, बैंक ऋण, मकान निर्माण और संपत्ति हस्तांतरण जैसी सुविधाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. उन्होंने नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की. बैठक में विधायक बकाने ने संबंधित राजस्व अभिलेखों, उपलब्ध दस्तावेजों और कानूनी पहलुओं का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया. इसके बाद राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्धा जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई तत्काल शुरू करने तथा नियमानुसार मालिकाना हक प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए.

स्कूली छात्र समेत वाहनचालकों का जानलेवा सफर जारी

संवाददाता । कोरची

कोरची तहसील के कोरची-सातपुती मुख्य मार्ग की हालत बेहद खराब हो चुकी है. सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है.

वहीं, स्कूल खुलने के बाद इस मार्ग से प्रतिदिन साइकिल से आने-जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा भी गंभीर चिंता का विषय बन गई है. कोरची मुख्यालय को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग

कोरची-सातपुती मार्ग पर जानलेवा गड्ढे

होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ों दोपहिया, चारपहिया वाहन, साइकिल सवार, किसान, व्यापारी और आम नागरिक इसी सड़क का उपयोग करते हैं. बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने से वाहन चालकों को गड्ढों का पता नहीं चल पाता, जिससे वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है.

विशेष रूप से स्कूल जाने वाले छात्रों को साइकिल चलाते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार लोक निर्माण विभाग से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसके चलते बरसात के मौसम में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. सातपुती और आसपास के गांवों के लोगों की इस मार्ग पर लगातार आवाजाही रहती है। ऐसे में नागरिकों ने मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले संबंधित विभाग तत्काल सड़क का निरीक्षण कर गड्ढों की मरम्मत कराए तथा मार्ग को सुरक्षित बनाए.

गोवंश प्रजनन प्रक्रिया को लेकर प्रशासन गंभीर

वर्धा : गाय-भैंसों की नस्ल सुधार और प्रजनन प्रक्रिया को वैज्ञानिक एवं कानूनी रूप से नियंत्रित करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र सरकार द्वारा लागू 'महाराष्ट्र गोवंश प्रजनन (विनियमन) अधिनियम-2023' का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं. पशुसंवर्धन एवं दुग्ध व्यवसाय विभाग ने सभी निजी कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इंसेमिनेशन) केंद्रों, भ्रूण प्रत्यारोपण केंद्रों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा की अपील की है. विभाग ने स्पष्ट किया है सेवा प्रदाताओं से तत्काल पंजीकरण कराने कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

पशुसंवर्धन एवं दुग्ध व्यवसाय विभाग के उप आयुक्त डॉ. जगदीश बुकतरे ने बताया कि यह अधिनियम राज्य में 5 दिसंबर 2024 से लागू है. इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले सांडों के वीर्य का उपयोग कर दुग्ध देने वाले पशुओं की बेहतर नस्ल तैयार करना तथा प्रजनन प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर रोक लगाना है.

युवा हाथियों के साथ रील न निकालें

वनविभाग ने की नागरिकों से अपील

संवाददाता ।गडचिरोली

गड़चिरोली के जंगल परिसर में पिछले कुछ दिनों से जंगली हाथियों की आवाजाही शुरू है. ऐसे में किसी भी तरह के मानव-हाथी संघर्ष से बचने के लिए वन विभाग लगातार निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था में जुटा है. इस बीच कुछ लोग सोशल मीडिया के लिए रील, फोटो और वीडियो बनाने के लिए हाथियों के बेहद करीब पहुंच रहे हैं, जिसे लेकर वन विभाग ने गंभीर चिंता जताई है. वनविभाग के कर्मचारी, प्राइमरी रिस्पॉन्स टीम और रैपिड रिस्पॉन्स टीम दिन-रात गश्त कर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं. साथ ही ग्रामीणों को हाथियों की लोकेशन और उनकी आवाजाही की जानकारी भी लगातार दी जा रही है, ताकि लोग सतर्क रह सकें.

हालांकि, कुछ लोग सुरक्षा के लिए लगाए गए बैरिकेड्स पार कर हाथियों के नजदीक पहुंच रहे हैं और फोटो-वीडियो बनाने के दौरान अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं. गड़चिरोली की उपवनसंरक्षक आर्या वी. एस. ने नागरिकों से अपील की है कि, वनविभाग की सभी व्यवस्थाएं केवल लोगों की सुरक्षा के लिए हैं. इसलिए विभाग के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और किसी भी स्थिति में हाथियों के पास जाने की कोशिश न करें.

यदि किसी क्षेत्र में हाथी दिखाई दें या किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो, तो तुरंत वन विभाग के कार्यालय से संपर्क करें. वन परिक्षेत्र अधिकारी बालाजी भेंडेकर ने भी लोगों से रात के समय जंगल से सटे इलाकों या हाथियों के मूवमेंट वाले क्षेत्रों में बिना कारण जाने से बचने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने, भीड़ न लगाने और हाथियों की सूचना मिलते ही वन विभाग को तत्काल जानकारी देने की अपील की है.

फुस्की माल १३ वर्ष से शराबमुक्त

ग्रामीणों से एकजुटता से कायम रखी मिसाल

संवाददाता / गड़चिरोली

मुलचेरा तहसील के छोटे से गांव फुस्की माल के ग्रामीणों की मजबूत एकजुटता के चलते पिछले 13 वर्षों से गांव में पूरी तरह अवैध शराब बिक्री बंद है. गांव ने आसपास के क्षेत्र में 'विवादमुक्त गांव के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है.

इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए मुक्तिपथ संगठन और ग्रामवासियों के संयुक्त प्रयास से लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं. करीब 110 की आबादी वाले फुस्की माल गांव में 13 वर्ष पहले अवैध शराब बिक्री का कारोबार तेजी से बढ़ गया था. इसके कारण आए दिन होने वाले झगड़ों और खराब होते सामाजिक वातावरण से गांव की महिलाएं, युवा और प्रतिष्ठित नागरिक काफी परेशान थे. समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्रामीणों ने एकजुट होकर कदम उठाने का निर्णय लिया. सबसे पहले पुलिस की सहायता से गांव के 2 प्रमुख अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर मामले दर्ज करवाए गए. इस कार्रवाई से अवैध कारोबार करनेवालों में भय पैदा हुआ. लेकिन ग्रामीण केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ग्रामसभा में आधिकारिक प्रस्ताव पारित कर गांव में शराब बिक्री पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया.

नियमों के कड़ाई से पालन के लिए ग्रामसभा ने दंडात्मक प्रावधान भी लागू किए हैं. गांव में शराब बिक्री करते पाए जानेपर संबंधित व्यक्ति पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाता है. शराब पीकर झगड़ा करने पर 2 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाता है. यदि कोई व्यक्ति दोबारा नियम तोड़ता है तो उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार किया जाता है. इन सख्त नियमों और ग्रामीणों की निरंतर सतर्कता के कारण पिछले 13 वर्षों में गांव में कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई है. मुक्तिपथ के तहसील संयोजक रुपेश अंबादे तथा उनकी टीम नियमित रूप से गांव में बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को मार्गदर्शन देती है. नशे की गिरफ्त में आए लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए नशामुक्ति उपचार शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है. इसके चलते फुस्की माल गांव नशामुक्ति की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभर रहा है.

पशु चिकित्सक के पद रिक्त, नियुक्ति की मांग, लोगों में रोष

देलनवाडी का पशु अस्पताल रामभरोसे

संवाददाता / आरमोरी

आरमोरी तहसील के पलसगांव तथा देलनवाड़ी स्थित श्रेणी-1 पशु अस्पताल में पशु चिकित्सा अधिकारियों के पद लंबे समय से रिक्त होने के कारण क्षेत्र के पशुपालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दोनों अस्पताल फिलहाल सीमित कर्मचारियों के भरोसे संचालित हो रहे हैं.

जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष दिलीप घोडाम के नेतृत्व में नागरिकों ने पशुसंवर्धन विभाग के उप आयुक्त, गड़चिरोली को ज्ञापन सौंपकर रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग की है. ज्ञापन में बताया गया है कि पलसगांव तथा देलनवाड़ी क्षेत्र के पशुपालकों को समय पर उपचार व आवश्यक पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने दोनों स्थानों पर श्रेणी-1 पशु चिकित्सालय स्थापित किए हैं. लेकिन पिछले काफी समय से इन अस्पतालों में पशु चिकित्सा अधिकारियों के पद खाली होने से सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं.

पलसगांव के पशु चिकित्सा अधिकारी डा. सुपारे का तबादला पोर्ला कर दिया गया, लेकिन उनकी जगह अब तक नए अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई. वहीं, देलनवाड़ी के पशु चिकित्सा अधिकारी डा. ढोगे पिछले लगभग एक वर्ष से अवकाश पर हैं और उनके स्थान पर भी किसी वैकल्पिक अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है. देलनवाड़ी पशु चिकित्सालय में परिचर और पशुधन पर्यवेक्षक सहित अन्य पद भी रिक्त हैं. कर्मचारियों की कमी के कारण पलसगांव के पशुधन पर्यवेक्षक जी. एम. चलेवार को प्रतिनियुक्ति पर देलनवाड़ी भेजा गया है, जिससे पलसगांव की सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है.

बफर जोन के पिंडकेपार मार्ग से आवागमन हुआ मुश्किल

खराब सड़क और रेलवे अंडरपास के कारण शुरू नहीं हो पा रही एसटी बस

संवाददाता / गोंदिया

एनएनटीआर के बफर जोन क्षेत्र अंतर्गत पिंडकेपार (गोरेगांव) मार्ग पर हमेशा बाघ, तेंदुआ, भालू जैसे हिंसक वन्यजीव विचरण करते हुए देखे जा रहे हैं। इसके बावजूद भी मजबूरन विद्यार्थी तथा क्षेत्रवासी साइकिल, पैदल या अपने वाहनों से गोरेगांव-गोंदिया के लिए असुरक्षित सफर कर रहे हैं। इस मार्ग पर एसटी बस के लिए कई बार मांग की गई। लेकिन अभी तक एसटी बस सेवा शुरू नहीं की गई। इसकी मुख्य वजह रेलवे अंडर पास मार्ग और खराब सड़क बताई जा रही है। जबकि इस मार्ग पर बाघ का हमला तथा महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाएं घटित हो चुकी है। उपरोक्त गंभीर समस्या को देखते हुए पिंडकेपार, कन्हारटोला, रामाटोलावासियों ने मांग की है की इस मार्ग से एसटी बस सेवा शुरू की जाएं।

बता दें कि गोरेगांव तहसील अंतर्गत पिंडकेपार ग्राम आता है। नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य के जंगलों से सटा होने से इस ग्राम

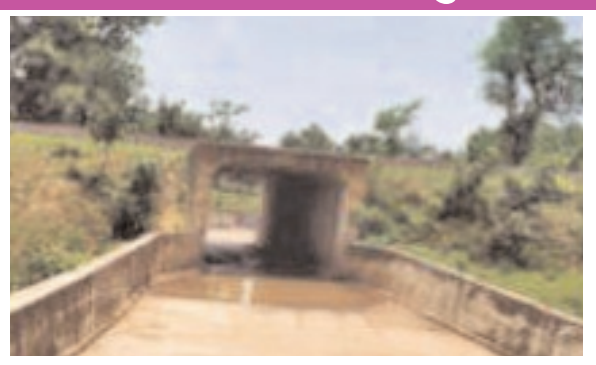

को बफर जोन क्षेत्र में शामिल किया गया है। जिस वजह से पिंडकेपार खेत परिसर तथा मार्गो पर बाघ, तेंदुआ, भालू जैसे हिंसक प्राणियों का हमेशा विचरण बना रहता है। कुछ वर्ष पूर्व पिंडकेपार-कन्हारटोला जंगल मार्ग पर बाघ ने एक व्यक्ति पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। एसटी बस की सेवा शुरू नहीं होने के कारण मजबूरन पिंडकेपार, कन्हारटोला, रामाटोला ग्राम के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए साइकिल से ही गोरेगांव-गोंदिया आना-जाना पड़ता है। इस दौरान विद्यार्थियों का सफर असुरक्षित माना जाता है।

ग्राम पंचायत पिंडकेपार की ओर से रेल प्रशासन तथा गोंदिया एसटी डिपो को इस समस्या का निपटारा करने के लिए पत्र तथा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। एसटी डिपो की ओर से बस सेवा शुरू कराने के लिए निरीक्षण भी किया गया था। लेकिन रेलवे अंडर पास मार्ग तथा हाईट ब्रेकर की समस्या बताकर बस सेवा शुरू नहीं करने की वजह बताई गई। लेकिन अभी तक रेल प्रशासन ने भी इस समस्या को हल कराने के लिए कोई कदम उठाया नहीं है। यहां तक की रेल अंडर पास मार्ग तथा उसके आगे की सड़क गड्ढों से पटी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की समस्या से जूझ रहे नागरिक

संवाददाता / सालेकसा

बारिश का मौसम आते ही शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फिलहाल बारिश का मौसम शुरू हो गया है। वैसे भी बारिश हो या न हो तो भी अधिकतर ऐसी समस्याएं शहर के साथ ही तहसील के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा सामने आ रही है। तेज हवा या आंधी चलने या हल्की बारिश होते ही बिजली गुल हो जाती है। बारिश का मौसम होने के कारण तेज हवा, आंधी की स्थिति बनी रहती है, जिससे सुबह से रात तक बिजली गुल होना आम बात हो गई है। विद्युत विभाग मेंटनेंस के नाम पर सालभर काम करता है ताकि ऐसे मौसम में बिजली की समस्या न हो। लेकिन इस बार विभाग का रखरखाव देखने नहीं मिल रहा है।

जरा सी हवा चलने पर हो जाती है बत्ती गुल

बारिश का होना व तेज हवाओं का चलना शुरू हो गया है। ऐसे में महावितरण द्वारा विद्युत आपूर्ति खंडित की जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो हवा आते ही बत्तियां गुल हो जाती हैं और लोगों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली व्यवस्था प्रायः बाधित रहती है। महावितरण इस व्यवस्था को ठीक कर उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी से निजात दिलाए ऐसी मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं होती है। ऐसे मौसम में आंधी और बारिश के कारण कम दबाव, उच्च दबाव वाले तार टूटने, पोल गिरने आदि समस्याएं निर्माण होती है। इससे टूटे तारों या बिजली के खंभों को छूने पर नागरिकों की जान को खतरा होता है। साथ ही इस दौरान महावितरण कंपनी की किसी भी लाइन, तार, पोल आदि को छूना भी खतरनाक है। इस प्रकार का हाल हर साल बारिश के साथ शुरू होता है।

वर्षा ऋतु में होने वाले रोगों से बचाव पर जनजागृति

संवाददाता / सोनपुरी

नवेगांव के जिला परिषद हिंदी वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वर्षा ऋतु में होने वाले संक्रामक रोगों के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डेंगू, मलेरिया, अतिसार, टाइफाइड, त्वचा रोग तथा आंखों के संक्रामक रोगों के लक्षण, बचाव के उपाय और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई.

जनजागरुकता अभियान के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए सूचना पत्रकों का भी विद्यार्थियों में वितरण किया गया. इस दौरान उन्हें विद्यालय परिसर को स्वच्छ

रखने, कहीं भी पानी जमा नहीं होने देने, उबालकर अथवा शुद्ध पानी पीने, भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने तथा बुखार, दस्त, उल्टी या अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराने की सलाह दी गई. विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों से वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने और इस महत्वपूर्ण जानकारी को अपने परिवार व आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया. कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में मौसमी बीमारियों के प्रति जागरुकता बढ़ी तथा बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी मिली.

इस अवसर पर कावराबांध प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षक जी.डी.राठोड़ ने मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन स्नातक शिक्षक राजकुमार बसोने ने किया.

कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रधानाध्यापक एस.एम. दसरिया, स्नातक शिक्षक एस.जी. मच्छिरके, राजकुमार बसोने, स्वास्थ्य सेवक अजय शेटे, ए.डी. बावनथड़े, डी.एस.गमधरे, स्वयंसेवक राकेश दमाहे एवं साक्षी चौधरी ने विशेष सहयोग दिया. कार्यक्रम में विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे.

राम मंदिर चंदा चोरी के खिलाफ आंदोलन

नवेगांवबांध : राम मंदिर चंदा चोरी के खिलाफ शिवसेना (उद्धव गुट) की गोंदिया जिला इकाई की ओर से कालीमाटी स्थित हनुमान मंदिर (गोठनगांव-सुकड़ी मार्ग) परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रभु हनुमान की महाआरती कर चंदा चोरी के मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की तथा नारे लगाए. जिला प्रमुख शैलेश जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में प्रार्थना कर न्याय की मांग की. कार्यक्रम में उपजिला प्रमुख राजू पटले, तहसील प्रमुख मोरेश्वर सोंदरकर, महिला संगठक अर्चना देशमुख, तहसील संगठक नरेश बोटकर, शहर प्रमुख उईके, किरण शेंडेवार, मुकेश उईके समेत युवासेना और शिवसेना के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे.

उच्चस्तरीय जांच करने की मांग, बड़े भाई ने एक चर्चा में खोलीं कई परतें

फर्जी दस्तावेजों से नौकरी का बड़ा खेल

संवाददाता / सालेकसा

तहसील से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सरकारी नियुक्तियों की पारदर्शिता और विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. ग्राम पिपरिया निवासी प्रभुदयाल सुनील सोयाम पर कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने और पिछले 12-13 वर्षों से शासन का वेतन लेने का आरोप लगाया गया है.

यह गंभीर आरोप किसी राजनीतिक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उनके बड़े भाई व सेवानिवृत्त पुलिस

कर्मचारी तिलक प्रभुदयाल सोयाम ने एक चर्चा में लगाए हैं. तिलक सोयाम ने दावा किया कि सुनील सोयाम वर्ष 2012 से भंडारा जिले के पाटबंधारे (सिंचाई) विभाग में चौकीदार के पद पर कार्यरत हैं. उनका आरोप है कि नियुक्ति के समय कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर शासन और प्रशासन को गुमराह किया गया. यदि यह आरोप सही साबित होते हैं तो यह केवल एक व्यक्ति की धोखाधड़ी नहीं, बल्कि सरकारी भर्ती प्रक्रिया और विभागीय जांच व्यवस्था पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न होगा. पिछले 12-13 वर्षों में संबंधित कर्मचारी ने शासन से लाखों रु. वेतन और अन्य आर्थिक लाभ प्राप्त किए हैं. इस अवधि में बड़ी मात्रा में संपत्ति अर्जित की गई है. संबंधित कर्मचारी की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों तथा आय के स्रोतों की स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए. इतने वर्षों तक बिना विभागीय संरक्षण के यह संभव नहीं हो सकता. यदि निष्पक्ष जांच की जाए तो कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका भी सामने आ सकती है. उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया.

एसआईआर अभियान को लेकर शिविर

संवाददाता / तिरोड़ा

नगर परिषद के सभी प्रभागों में मतदाता विशेष पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत नागरिकों में जागरुकता के उद्देश्य से मार्गदर्शन शिविर आयोजित किए गए. शिविरों का उद्देश्य मतदाता सूची का शत प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करना तथा नागरिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना रहा. इस अवसर पर उपविभागीय अधिकारी पूजा गायकवाड़, तहसीलदार नारायण ठाकरे, मुख्याधिकारी अमोल मालकर, नगराध्यक्ष अशोक असाटी, उपाध्यक्ष राजेश गुनेरिया, सार्वजनिक लोकनिर्माण कार्य सभापति कादर मंसूरी, नगरसेविका आशा भोंडेकर समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे. शिविर में अधिकारियों ने नागरिकों से अपने मतदाता संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन कराने तथा नाम, पता या अन्य आवश्यक विवरण में संशोधन होने पर समय रहते प्रक्रिया पूरी करने की अपील की. अधिकारियों ने बताया कि विशेष पुनर्निरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है.

सहपाठियों ने ताजा की 25 वर्ष पुरानी यादें

आमगांव : जिला परिषद हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज के वर्ष 1999 बैच के विद्यार्थियों का छात्र पुनर्मिलन समारोह उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया. 25 वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले पूर्व छात्र-छात्राओं ने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं और अपने स्कूल जीवन के अनुभव साझा किए. कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा राष्ट्रगान के साथ हुई. समारोह का संचालन मनोज पंधारे ने किया. इस अवसर पर कक्षा 5 से 10 तथा 11वीं-12वीं के पूर्व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. समारोह में चंकी उके, देवेंद्र फुंडे, जितेंद्र टेंभरे, सचिन श्यामकुवर, सतीश हटवार, विक्रम सिंह बेदी, महेंद्र बंसोड़, दीपा बिसेन, सविता पटले, सुरेखा सोनवणे, रत्ना हुखारे, ज्योति मोटघरे, राजू हरिणखेड़े, धनंजय डोंगरे, विजय ठाकरे, विवेक पाठक समेत कई पूर्व विद्यार्थी शामिल हुए.

कर्जमुक्ती की बढ़ी व्यापकता; अब सभी किसानों का 2 लाख तक का कर्ज होगा माफ!

■ मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधानसभा में की ऐतिहासिक घोषणा
■ अटी व शर्ते शिथिल होने से लाखों नए किसानों को मिलेगा लाभ

संवाददाता / गोंदिया

किसान महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदा, बेमौसम बारिश, सूखा, बढ़ती उत्पादन लागत और बाजार की अनिश्चितता के कारण राज्य का किसान गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। ऐसी स्थिति में किसानों को संबल देना सरकार की सामाजिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य के साथ घोषित की गई 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर किसान कर्जमुक्ती योजना' को अब और अधिक व्यापक व सर्वसमावेशक बना दिया गया है। विधानसभा में अंतिम सप्ताह प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस योजना में कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की है, जिससे अब कोई भी पात्र किसान तकनीकी अड़चनों के कारण लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

राज्य के करीब ५६ लाख किसानों को ३६ हजार ५८५ कोटी रुपये का सीधा लाभ देने वाली यह योजना महाराष्ट्र के कृषि इतिहास में एक मील का

पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में की गई नई सुधारों की घोषणा के बाद अब लाभार्थी किसानों की संख्या में और बड़ी बढ़ोतरी होना तय है। सरकार ने न केवल इसके लिए भारी-भरकम बजटीय प्रावधान किया है, बल्कि नियमों को शिथिल कर कर्जमुक्ती के दरवाजे सभी के लिए खोल दिए हैं।

महात्मा ज्योतिराव फुले योजना के लाभार्थियों को भी समान न्याय; ५० हजार की सीमा खत्म : इस नए सुधार में सरकार ने सबसे बड़ा और संवेदनशील निर्णय लेते हुए 'महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमुक्ती योजना' का लाभ ले चुके किसानों के लिए लगाई गई ५० हजार रुपये के लाभ की सीमा (मर्यादा) को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। पहले के नियमों के तहत इन किसानों को नई योजना में सीमित लाभ मिल रहा था, जिससे किसानों में असमानता की भावना थी। अब इस शर्त को पूरी तरह हटा दिए जाने से ऐसे सभी पात्र किसानों को भी २ लाख रुपये तक की कर्जमुक्ती का संपूर्ण लाभ मिल सकेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समान न्याय सुनिश्चित हुआ है।

प्रामाणिक किसानों को बड़ी राहत; २०२६-२७ में नए कर्ज की शर्त रद्द : नियमित रूप से बैंक का कर्ज चुकाने वाले प्रामाणिक किसानों के हित में भी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। पूर्व घोषित योजना के तहत नियमित कर्जदारों के लिए वर्ष २०२६-२७ में नया कर्ज लेकर उसे समय पर चुकाने की एक कठिन शर्त रखी गई थी, जिससे किसान असमंजस में थे। सरकार ने इस भ्रम और शर्त दोनों को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। अब नियमित कर्ज चुकाने वाले किसानों को भी बिना किसी अतिरिक्त शर्त के योजना का सीधा और सुलभ लाभ मिल सकेगा।

इसके अलावा, सबसे महत्वपूर्ण बदलाव २ लाख से अधिक के बकाया (थकबाकी) वाले खातों के लिए किया गया है। पहले की घोषणा के अनुसार २ लाख से ज्यादा कर्ज वाले किसान अपात्र हो रहे थे, लेकिन अब नए नियम के मुताबिक यदि किसी किसान पर २ लाख रुपये से अधिक का भी कर्ज बकाया है, तो भी उसमें से २ लाख रुपये तक की राशि सरकार द्वारा माफ की जाएगी।

राष्ट्रीयकृत से लेकर सहकारी बैंकों तक पूरी पारदर्शिता : इस योजना को बेहद पारदर्शी और सटीक तरीके से लागू किया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करने के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों, व्यापारिक बैंकों, निजी बैंकों और जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (अण्णँ) के डेटा का उपयोग किया जा रहा है। इससे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सीधे पात्र किसानों तक लाभ पहुँचना सुनिश्चित हुआ है।

कृषि क्षेत्र पर सालाना ९५ हजार करोड़ रुपये का भारी खर्च कृषि बजट की मुख्य बातें : राज्य सरकार किसानों की चौतरफा उन्नति के लिए प्रतिवर्ष कृषि क्षेत्र पर लगभग ९५,००० करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसमें से केवल कृषि पंपों के बिजली बिल की सब्सिडी के लिए २५,००० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा कपास खरीदी के लिए १०,००० करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। सोयाबीन खरीदी, प्याज के बाजार भाव को स्थिर रखने के प्रयास, ड्रिप इरिगेशन (ठिबक सिंचन) का प्रलंबित फंड जारी करना और 'कृषि समृद्धि योजना' के लिए अतिरिक्त बजट देना सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को स्पष्ट करता है।

'अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाएंगे, पर हर पात्र किसान को करेंगे कर्जमुक्त' – मुख्यमंत्री : विधानसभा के पटल पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि इन नई कटी हुई शर्तों और सुधारों के कारण राज्य सरकार की तिजोरी पर भारी अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ने वाला है। इसके बावजूद, सरकार का यह दृढ़ संकल्प है कि राज्य का एक भी पात्र किसान कर्जमाफी से वंचित न रहे।

यह योजना केवल एक वित्तीय सहायता मात्र नहीं है, बल्कि कर्ज के बोझ तले दबे किसानों के खोए हुए आत्मविश्वास को लौटाने और उन्हें दोबारा सम्मान से खेती की ओर मोड़ने का एक संवेदनशील प्रयास है। कोल्हापुर विभागीय सूचना कार्यालय के उपसंचालक प्रवीण टाके के अनुसार, इन नए संशोधनों के बाद यह योजना अब पहले से कहीं अधिक व्यापक, न्यायसंगत और परिणामकारक सिद्ध हो रही है, जिससे 'कर्जमुक्त महाराष्ट्र' के संकल्प को एक नई दिशा मिली है।

प्रवीण टाके
उपसंचालक, विभागीय माहिती कार्यालय, कोल्हापूर

जि.प. स्कूल की जर्जर इमारत से बढ़ा हादसे का खतरा

छत में पड़ गईं बड़ी-बड़ी दरारें

संवाददाता / देवरी

देवरी तहसील के पालांदूर केंद्र अंतर्गत मगरडोह स्थित जिला परिषद प्राथमिक स्कूल की इमारत अत्यंत जर्जर हो चुकी है, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। वर्तमान स्थिति में स्कूल की छत में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं तथा कई स्थानों पर प्लास्टर गिर चुका है।

कुछ जगहों पर लोहे की सरिए भी बाहर निकल आए हैं, जिससे स्कूल की जर्जर इमारत कभी भी ढहने की आशंका जताते हुए ग्रामवासियों, अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से जर्जर इमारत को तत्काल गिराकर उस स्थान पर नई स्कूल इमारत का निर्माण करने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, नई स्कूल इमारत के निर्माण के लिए कई बार प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बता दें कि, यहां स्कूल में कक्षा पहली से चौथी तक लगभग 40 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। स्कूल की इमारत की खतरनाक स्थिति को देखते हुए फिलहाल ग्राम पंचायत के वाचनालय एवं व्यायामशाला में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। उपसरपंच विलास भोगरे ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग के समक्ष बार-बार अनुरोध करने के बावजूद स्कूल की समस्या की अनदेखी की जा रही है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य सभापति सुरेश हर्षे ने संबंधित जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर मामले का अनुश्रवण करने का आश्वासन दिया। वहीं जिला परिषद सदस्य राधिका धर्मगुंडे ने बताया कि स्कूल की मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा गया है तथा निधि स्वीकृत होते ही कार्य शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा विभाग तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक चंद्रकांत खंडेलवाल द्वारा भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरूनानक वॉर्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर गुरूनानक वार्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित.
संपादक :- चंद्रकात खंडेलवाल, पी.आर.पी एक्ट के तहत जिम्मेदार *